लौह अयस्क की निर्यात की जाने वाली मात्रा

3439. डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में लौह अयस्क का निर्यात किया जाता है ;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों में प्रति वर्ष लौह अयस्क की औसतन कितनी मात्रा का निर्यात किया गया है ;

(ग) देश में प्रति वर्ष लौह अयस्क की कुल कितनी औसत मात्रा का उत्पादन किया जाता है;

(घ) मार्च, 1993 की स्थिति के अनुसार देश में लौह अयस्क की कुल कितनी मात्रा के भण्डार पाये जाने का अनुमान है और उच्च कोटि तथा साधारण कोटि के लौह अयस्क का अलग अलग मात्रावार ब्यौरा क्या है ;

(ङ) क्या यह सच है कि देश में लौह अयस्क की बढ़ती हुई मांग और निरंतर रूप से स्थापित किये जा रहे इस्पात संयंत्रों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए लौह अयस्क के निर्यात पर प्रतिबन्ध लगाना आवश्यक है; और

(च) यदि हां, तो सरकार की इस बारे में क्या प्रतिक्रिया है और क्या यह भी सच है कि लौह अयस्क के निर्यात की तुलना में इस्पात का निर्यात करना आर्थिक दृष्टि से अधिक लाभकारी है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) जी, हां।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत से वार्षिक निर्यातित लौह अयस्क की अनुमानित औसत मात्रा लगभग 300 लाख टन है।

(ग) देश में लौह अयस्क का वार्षिक उत्पादन लगभग 570 लाख टन है ।

(घ) दिनांक 1-4-90 की स्थिति के अनुसार भारतीय खान ब्यूरो (आई०बी० एम० द्वारा तैयार की गई खनिज माल-सूची के अनुसार लौह अयस्क के श्रेणीवार भण्डार निम्नानुसार हैं :—

(क) लौह अयस्क (हेमाटाइट)

	(लाख टन)
(i) उच्च श्रेणी (65% लौह)	11480
(ii) मध्यम श्रेणी (62–65% लौह)	41930
(iii) निम्न श्रेणी (62% लौह सेलम)	27620
(iv) नीली धूलि/काला लोहा	1430
(v) अवर्गीकृत और अन्य	13360
	95820

(ख) लौह अयस्क (मैग्नेटाइट)

	(लाख टन)
(i) धातुकर्मीय श्रेणी	14720
(ii) कोयला धोवन श्रेणी	50
(iii) फाउण्ड्री श्रेणी	4
(iv) अवर्गीकृत और अन्य	16653
	31427

(ङ) और (च) किसी नए निर्यात प्रतिबद्धता से पूर्व देशी उद्योगों को लौह अयस्क की वर्धित मांग को ध्यान में रखा जाएगा । लौह अयस्क के निर्यात तथा इस्पात के निर्यात की तुलनात्मक लाभ-दायकता उत्पादनलागत, विद्यमान अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करेगी।